Social Justice Union — Govt. Registered

दैनिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 09 जून 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 252

महत्वपूर्ण एवं खास

सड़क चौड़ीकरण के कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे में 4 लडकियां डूबी, एक की हुई दर्दनाक मौत

पुणे (आरएनएस)। पुणे जिले के कोंडवा में कात्रज -कोंडवा सडक़ को चौड़ा करने के लिए गड्डे खोदे गए थे. जिसमें चार लड़कियां डूब गई. इसमें से तीन लडकियों को बचाया गया. जबकि एक लडक़ी की इस हादसे में मौत हो गई है. गगन उन्नति सोसाइटी के सामने महाकाली मंदिर के पास लगभग 15 फीट गड्डे में बारिश का पानी भरा हुआ था. इस जगह पर कुछ लोग झोपडियां बनाकर रह रहे थे. पास में ही पानी होने की वजह से रोजाना महिलाएं और लड़कियां यहां कपड़े धोने के लिए जाती है. लेकिन आज कुछ लड़कियां कपडे धोने के लिए जब यहां गई तो कुछ लडकियों को पैर फिसल गया और वो इस गड्डे में गिर गई. इस दौरान किसी ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी. तब तक स्थानिक लोगों ने तीन लडकियों को बाहर निकाला. फायर ब्रिगेड की टीम ने चौथी लडक़ी को बाहर निकाला और उसे हॉस्पिटल लेकर गए , जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया. इन लडकियों में 15 वर्ष की सरगम शिलावत, 13 वर्ष की शेजल शिलावत, 15 साल की जानू शिलावत है , इनको बचाया गया , तो वही मृतक लडक़ी 16 साल की थी और उसका नाम मुस्कान शिलावत था. ये नही बच सकी. पुलिस इस मामले की जांच कर रही है.

सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गोलीबारी में मजदूर की मौत

सांबा/जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 28 वर्षीय मजदूर वासुदेव के सीने में गोली लगी थी. अस्पताल लाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. न्होंने बताया कि वह अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निर्माण परियोजना पर काम कर रहा था और उसी दौरान उसे गोली लगी. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं.

पंजाब में सड़क के बीचोंबीच युवती की हत्या, युवक ने तलवार से काटा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। मोहाली के फेज पांच में शनिवार सुबह आफिस जा रही एक युवती को तलवार से काटकर मार दिया गया। मृतका की पहचान फेज-5 के एक कॉल सेंटर में काम करने वाली बलजिंदर कौर के तौर पर हुई है। बलजिंदर कौर पर हमला सुबह साढ़े नौ बजे उस वक्त किया गया जब वह अपनी सहेलियों के साथ आफिस जा रही थी। हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे मेडिकल के लिए ले जाया गया है। आरोपी की पहचान समराला के रहने वाले सुखचैन सिंह के तौर पर हुई है। सुखचैन समराला में ही पेट्रोल पंप पर काम करता था। जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब के गांव फतेहपुर जट्टां की बलजिंदर कौर नौ साल से मोहाली में काम कर रही थी। वह डेली अप डाउन करती थी। शनिवार को उसके पिता ने ही उसे बस में बैठाया था। मृतका के भाई के अनुसार, उन्हें सुबह करीब साढ़े नौ बजे कंपनी के मैनेजर ने फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बलजिंदर और सुखचैन एक दूसरे को कुछ समय से जानते थे। कुछ दिन पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। हालांकि मृतका के भाई का कहना है कि बलजिंदर ने कभी उन्हें किसी लडक़े के बारे में नहीं बताया।

नाबालिग से जबरन शादी और दुष्कर्म करने के मामले में व्यक्ति को 10 वर्ष कैद की सजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2017 में नाबालिग से जबरन शादी और दुष्कर्म करने के मामले में 49-वर्षीय एक व्यक्ति को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई. अदालत ने कहा कि सजा सुनाते समय इस तरह की घटनाओं की रोकथाम और सुधार दोनों उद्देश्यों के बीच संतुलन कायम करने की जरूरत है. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अंकित मेहता इस वर्ष अप्रैल में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के दुष्कर्म के प्रावधानों, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीडऩ) और बाल विवाह निषेध अधिनियम की धारा नौ (बच्ची से विवाह करने वाले वयस्क पुरुष के लिए दंड) के तहत दोषी ठहराया गये आरोपी के मामले की सुनवाई कर रहे थे.

नरेन्द्र मोदी आज तीसरी बार लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ

❑ दिल्ली में दो दिन नो फ्लाइंग जोन, ऐसी होगी सुरक्षा

नईदिल्ली । आरएनएस

पीएम मोदी आज यानी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे. पीएम मोदी के शपथ ग्रहण में कई राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे. ऐसे में दिल्ली में दो दिनों तक कड़ी सुरक्षा होगी. दरअसल, पीएम मोदी के शपथ ग्रहण को लेकर राजधानी दिल्ली में 9 और 10 जून को कड़ी सुरक्षा रहेगी. इस दौरान राजधानी नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है. इस दौरान दिल्ली में पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, हॉट एयर बलून, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और रिमोट से संचालित विमानों की उड़ान पर प्रतिबंध रहेगा. ऐसे में अगर कोई लापरवाही की जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

इस संबंध में दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने निषेधाज्ञा आदेश जारी किया है. उन्होंने बताया कि ऐसी सूचना है कि भारत विरोधी कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं. ऐसे में दिल्ली को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है.

इस दौरान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के पास ड्रोन और लेजर बीम गतिविधियों को रोकने के लिए भी निषेधाज्ञा लागू की गई है. इसके साथ ही बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस औ सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है. किसी भी अनधिकृत वाहन को सुरक्षा क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकने के लिए गहन जांच पड़ताल की जा रही है.

पीएम मोदी के शपथ ग्रहण को लेकर दिल्ली में सुरक्षा के त्रिस्तरीय इंतजाम किए गए हैं. जिसमें आंतरिक परिधि, बाहरी परिधि और सबसे बाहरी परिधि शामिल हैं. आंतरिक परिधि के अंतर्गत राष्ट्रपति भवन और कर्तव्य पथ के आसपास का उच्च सुरक्षा क्षेत्र. शपथ समारोह होगा. जबकि बाहरी परिधि में उन होटलों के आसपास सुरक्षा की दूसरी परत होगी जहां विदेशी राष्ट्राध्यक्ष और गणमान्य व्यक्ति ठहरेंगे. इनमें

ताज, मौर्य, लीला और ओबेरॉय होटल शामिल हैं. जबकि सबसे बाहरी परिधि में मध्य दिल्ली के आसपास सुरक्षा की तीसरी परत होगी. जिसमें जमीन से हवा तक निगरानी और व्यापक सुरक्षा कवर शामिल है.

ऐसी होगी दिल्ली की सुरक्षा

1. खुफिया एजेंसियां सुरक्षा खतरों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए विदेशी एजेंसियों से संपर्क बनाए हुए हैं. हर विदेशी नेता के लिए व्यक्तिगत

खतरे का आकलन किया जा रहा है.

2. इसके साथ ही होटल कर्मचारियों की बैकग्राउंड जांच की जा रही है. जिससे ये सुनिश्चित किया जा सके कि उनसे कोई सुरक्षा जोखिम तो नहीं है.

3. अलग कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखी जाएगी. किसी भी सुरक्षा खतरे का जवाब देने के लिए अलग नियंत्रण कक्ष बनाया जाएगा.

4. शपथ ग्रहण के दौरान राज्य की सीमाएं सील की जाएंगी. जिससे अनधिकृत प्रवेश को रोका जा सके.

5. इसके अलावा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा उपस्थिति बढ़ाई जाएगी. इसके साथ ही परिचालन जरूरतों के आधार पर प्रतिबंधों को और बढ़ाया जा सकता है.

नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आएंगे पड़ोशी देशों के राष्ट्राध्यक्ष

9 जून, 2024 की शाम, राष्ट्रपति भवन गौरव से जगमगाएगा! देश के प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी और उनकी मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा, और ये समारोह सिर्फ एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक विशेष और ऐतिहासिक पल होगा! देश के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के नेता इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे. श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना - ये सब इस विशेष समारोह में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं. मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे. ये सभी नेता नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के साथ ही उसी शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भी शामिल होंगे. यह 'नेबर फर्स्ट' नीति के अनुसार देश के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के नेताओं को शपथ ग्रहण में आमंत्रित किया गया है. सिर्फ विदेशी मेहमान ही नहीं, बल्कि सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर काम करने वाले मजदूरों, सफाई कर्मियों और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है. विकसित भारत के एम्बेसडर के रूप में वंदे भारत और मेट्रो ट्रेनों पर काम करने वाले रेलवे कर्मचारियों और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को भी इस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है. राष्ट्रपति भवन में 8,000 से अधिक मेहमानों के लिए व्यवस्था की जा रही है.

ईनाडु के संस्थापक चेयरमेन और मीडिया दिग्गज रामोजी राव का 87 वर्ष की आयु में निधन

❑ राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

हैदराबाद । आरएनएस

ईनाडु ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन रामोजी राव का हैदराबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया. वह 87 साल के थे. उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने के चलते 5 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उनका निधन सुबह 4.50 बजे हुआ. रामोजी राव सबसे ज्यादा प्रसारित होने वाले तेलुगु डेली ईनाडु, ईटीवी चैनल ग्रुप और रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक थे.

उनके पार्थिव शरीर को रामोजी फिल्म सिटी स्थित उनके आवास पर ले जाया गया. रामोजी राव का जन्म 16 नवंबर 1936 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में हुआ था. उन्होंने 10 अगस्त 1974 को विशाखापत्तनम से तेलुगु डेली ईनाडु की शुरुआत की. थोड़े ही समय में यह एक प्रमुख अखबार बन गया. रामोजी राव के निधन की खबर के बाद शोक की लहर है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामोजी राव को देश की मीडिया में क्रांति लाने का श्रेय देते हुए उनके निधन पर दु:ख व्यक्त किया. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, रामोजी राव गारू का निधन अत्यंत दु:खद है. वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी. उनके समृद्ध योगदान ने पत्रकारिता और फिल्म जगत पर अमिट छाप छोड़ी है. अपने उल्लेखनीय प्रयासों के माध्यम से उन्होंने मीडिया और मनोरंजन जगत में नवाचार तथा उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए. रामोजी राव में देश के विकास को लेकर अलग जज्बा था. मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनसे मिलने और उनसे बात करने के कई अवसर मिले. इस दु:ख की घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं. ऊं शांति.

राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा नीट में धांधली को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

❑ कहा- सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो मामले की जांच

नई दिल्ली । आरएनएस

कांग्रेस ने स्नातक स्तर पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' में धांधली का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि इसकी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए, ताकि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके. राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) का परिणाम गत चार जून को घोषित किया गया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया है. इसकी सीधी ज़िम्मेदारी मोदी सरकार की है. उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर विभिन्न अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फंसना- उनके भविष्य से खिलवाड़ है.

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है. उन्होंने कहा, ''हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए, जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिले. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके परिणाम में भी भ्रष्टाचार हुआ है. एक ही सेंटर के छह छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं. दूसरी ओर, परिणाम आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं. यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है.

उन्होंने सवाल किया कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? प्रियंका गांधी ने कहा, छात्र-छात्राओं को नीट परीक्षा के परिणाम में धांधली से जुड़े वाजिब सवालों के जवाब चाहिए. क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की. उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में लाखों परीक्षार्थियों के साथ घोटाला पूरी तरह से अस्वीकार्य और अक्षम्य है. यह देश के लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है, जिसकी उच्चतम न्यायालय की देखरेख में उच्च-स्तरीय जांच तुरंत होनी चाहिए. उन्होंने कहा, इस साल पहले इसमें पेपरलीक होने का समाचार आया, जिसे दबा दिया गया. अब मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के कई परीक्षार्थियों ने छात्रों के अंक बढ़ाए जाने के आरोप लगाए हैं. छात्रों का कहना है कि इस बार रिकॉर्ड 67 परीक्षार्थियों ने टॉप रैंक हासिल की और इनमें से छह अभ्यर्थी तो एक ही परीक्षा केंद्र से बताए जा रहे हैं.

मणिपुर के हिंसाग्रस्त जिले में 70 से ज्यादा घरों में आगजनी, कमांडो तैनात

इम्फाल । आरएनएस

असम की सीमा पर स्थित मणिपुर के जिरीबाम जिले में भारी तनाव के बीच एक समुदाय विशेष के 70 से अधिक घर जला दिये गये हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर पुलिस के कमांडो भी तैनात किये गये हैं।

जिरीबाम में गुरुवार की रात संदिग्ध हथियारबंद हमलावरों द्वारा 59 वर्षीय सोइबाम सरतकुमार सिंह की हत्या के बाद जिरीबाम और पड़ोसी तामेंगलौंग जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को इम्फाल में बताया कि कथित तौर पर हथियारबंद हमलावरों ने जिरीबाम जले के लामताई खुनोऊ, दिबोंग खुनोऊ, नुनखल और बेगरा

गांवों में एक विशेष समुदाय के घरों को जला दिया गया।

मेइती समुदाय के सोइबाम सरतकुमार सिंह की हत्या के बाद हिंसा भडक़ने पर समुदाय के 200 से अधिक लोगों ने नये बने राहत शिविर में शरण ली है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात पीड़ित का शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। उनके शरीर पर कई घाव और कटे के निशान थे।

कुछ निर्जन ढांचों में आग लगाने के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। जिरीबाम में कई प्रदर्शनकारियों ने उनके लाइसेंसी हथियार वापस करने की मांग की। हाल में हुए लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सबके लाइसेंसी हथियार जमा करा लिए गये थे।

प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

स्थिति को नियंत्रित करने और जल्द से जल्द स्थिति सामान्य करने के लिए जिरीबाम जिले में असम राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

जिरीबाम और पड़ोसी तामेंगलौंग जिलों में मणिपुर पुलिस और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती की गई है।

असम से सटे जिरीबाम जिले में मेइती, नागा, कुकी, मुस्लिम और गैर-मणिपुरियों की मिश्रित आबादी है। यह पिछले साल 3 मई को मणिपुर में शुरू हुई जातीय हिंसा की घटनाओं से अब तक अछूता रहा है।

राज्य के कई जिलों में मेइती और कुकी-जोमी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष में अब तक 220 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। दोनों समुदायों के 1,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और 70 हजार से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित हो गये हैं।

दंगों में कई घर, सरकारी और गैर-सरकारी संपत्तियों तथा धार्मिक ढांचों को नुकसान पहुंचा है।

दिल्ली के नरेला में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 3 मजदूरों की मौत, 6 गंभीर रूप से झुलसे

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में शनिवार तडक़ गैस रिसाव होने के बाद भडक़ी भीषण

आग में 3 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए।सूचना पर दमकल लेकर पहुंचे कर्मचारियों ने आग बुझाने का कार्य शुरू किया और झुलसे लोगों को निकालकर एसएचआरसी अस्पताल में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने 3 को मृत घोषित कर दिया और 6 अन्य को गंभीरावस्था में सफदरजंग अस्पताल रैफर कर दिया।

उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि मूंग को एक गैर बर्नर पर भूना गया था। उसी दौरान एक पाइट से गैस रिसाव होने से आग लग गई और वह पूरी फैक्ट्री में फैल गई।उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान श्याम, राम सिंह और बीरपाल के रूप में हुई है। इसी तरह 6 अन्य घायलों का सफदरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा है। आग पर काबू पा लिया गया है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से शुक्रवार को ही सभी फैक्ट्री संचालकों को अपनी-अपनी फैक्ट्रियों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करने के आदेश दिए थे। उसके बाद कुछ घंटों बाद ही यह आग लग गई।उन्होंने बताया कि घटना को लेकर लापवाही बरतने का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि आखिर गैस लीक कैसे हुई। 15 दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया है।

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर सीडब्ल्यूसी में प्रस्ताव पास, जल्द लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली में शनिवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक करीब 3 घंटे चली और इस बैठक में कई अहम प्रस्ताव पर चर्चा हुई और कई अपनाए गए। राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर प्रस्ताव पास हो गया और इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। लोकसभा चुनाव के बाद सीडब्ल्यूसी की यह पहली बैठक थी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में सभी नेता मौजूद थे। उन्होंने जनता को धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारे देश के लोगों को इस लोकतंत्र को बचाए रखने, इस गणतंत्र के संविधान की रक्षा करने और सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ाने के लिए इतने शक्तिशाली जनादेश के लिए

बहुत बहुत बधाई है।

उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने पिछले एक दशक में की गई शासन की प्रकृति और शैली दोनों को निर्णायक रूप से नकार दिया है। लोकसभा चुनाव का ये जनादेश न केवल प्रधानमंत्री की राजनीतिक हार है, बल्कि उनकी नैतिक हार भी है। उन्होंने अपने नाम पर जनादेश मांगते हुए झूठ, नफरत, पूर्वाग्रह, विभाजन और अत्यधिक कट्टरपंथी अभियान चलाया था। यह जनादेश स्पष्ट रुप से लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं को 2014 के बाद निरंतर दबाए जाने के विरुद्ध है।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कुछ राज्यों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दुर्भाग्यपूर्ण प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए और मेहनत करने का संकल्प लेती है। भले ही पार्टी का प्रदर्शन सामान्यत: सुधार और पुनरुत्थान की ओर अग्रसर है। उन राज्यों में कमियों को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए और उठाए जाएंगे, जहां पार्टी को और बेहतर नतीजों की उम्मीद थी, लेकिन जहां वह पूरी नहीं हुई।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने बेहतरीन अभियान चलाया, जिसके केंद्र में गणतंत्र के संविधान और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के आरक्षण के अवसर के प्रावधानों की जोरदार रक्षा को रखा गया था। हमने एक स्पष्ट वैकल्पिक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण रखा। गरीबों का हित हमारे अभियान के केंद्र में था, राष्ट्रव्यापी सामाजिक और आर्थिक जनगणना को हमने रेखांकित किया, जिससे सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं नौजवानों व किसानों की आकांक्षाओं को संबोधित किया जा सके। आम चुनावों का ये परिणाम वास्तव में हमारे सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की ये बहुत बड़ी चूक होगी यदि इस मौके पर हम उन चार दिग्गजों को धन्यवाद नहीं देते जिन्होंने पार्टी के इस जुझारू अभियान का नेतृत्व किया। जिनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प पार्टी में सभी के लिए प्रेरणास्रोत रही है। वे संसद और संसद के बाहर दोनों जगह निर्भीक और निडर होकर लड़े।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी हमेशा मार्गदर्शन, सलाह और समर्थन के लिए उपलब्ध थीं। अभियान के महत्वपूर्ण क्षणों में उनके मार्गदर्शन ने महत्वपूर्ण अंतर पैदा किया। इसके साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश भर में, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में, शानदार चुनावी अभियान चलाया। उन्होंने सबसे प्रभावशाली तरीके से भाजपा को लगातार बेनकाब किया और कांग्रेस के न्याय सन्देश को बहुत शक्तिशाली तरीके से संप्रेषित किया।

इसके बास केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सफल क्रियान्वयन, डिजाइन और नेतृत्व के लिए उन्हें विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ये दोनों यात्राएं, उनकी अपनी सोच और व्यक्तित्व को दर्शाती हैं। यह यात्रा हमारे देश की राजनीति में एक ऐसा ऐतिहासिक मोड़ थीं जिसने हमारे लाखों कार्यकर्ताओं और करोड़ों मतदाताओं में आशा और विश्वास जगाया। राहुल गांधी का चुनाव अभियान एकनिष्ठ, तीक्ष्ण और सटीक था। 2024 के चुनाव में संविधान की रक्षा के विषय को राहुल गांधी जी द्वारा सबसे मुखरता से उठाया गया।